शपथ–पत्र

1. मैं.....आयु लगभग.....वर्ष.....पुत्र/पुत्री/पत्नी..... .....निवासी.....एतद्द्वरा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान करता हूँ और निम्नलिखित को अधिकथित करता हूं:–

(क) मै अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के सदस्य से सम्बन्धित हूँ।

(ख) मै मानव या भिक्षार्थी के दुर्व्यापर का पीडित हूँ।

(ग) मै विधिक सेवा के लिये आर्ह हूँ क्योंकि मैं महिला/बालक हूँ।

(घ) मै मानसिक रूप से बिमार या अन्यथा असमर्थ व्यक्ति हूँ।

(ङ) मै सामूहिक आपदा, जातीय हिंसा, जाति अत्याचार, बाढ. स्खा, भूकम्प या औद्योगिक आपदा का पीडित होने के कारण अनुचित आवश्यकता की परिस्थितियों के अधीन व्यक्ति हूँ।

(च) मै औद्योगिक कर्मकार हूँ।

(छ) मै अभिरक्षा में हूँ।

(ज) सभी स्त्रोतों से मेरी वार्षिक आय.....रू0 (केवल.....रूपये) से नीचे है।

(उसे काट दीजिए जो लागू न हो)

2. मै किसी अध्यपेक्षा और निर्देश का पालन करूँगा जो उच्च न्यायालय विधिक सेवा समिति के सचिव या सदस्यों में से किसी द्वारा दिया जाय।

3. मै समिति द्वारा प्रदान किये जाने वाले विधिक सेवा अधिवक्ता से समक्ष अपने मामले के सभी तथ्यों का पूर्ण और सत्य सूचना दूँगा।

4. मै उच्च न्यायालय पटना में–

(क) .....में ..... के निर्णय से अपील

(ख).....के लिये रिट याचिका दाखिल करूँगा।

(उसे काट दीजिए जो लागू न हो)

परिसाक्षी

सत्यापन

मैं श्री/श्रीमती/कुमारी.....उक्त वर्णित परिसाक्षी एतद्द्वारा सत्यापित करता हूँ कि परिच्छेद 1 से 4 तक की अन्तर्वरतुये मेरे ज्ञान में सही और शुद्ध है, इसमें अधिकथित कोई चीज मिथ्या नहीं है और कोई चीज छिपाया नहीं गया है। इसलिये, ईश्वर मेरी सहायता करें।

..... में 20 के .....दिन को सत्यापित किया गया।

परिसाक्षी